भारत सरकार
इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 670
05 दिसंबर, 2025 को उत्तर के लिए

राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड का निजीकरण

670 श्री गोला बाबूरावः

क्या **इस्पात** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) के 32 प्रभागों में निजी कंपनियों से रुचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित की है;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;

(ग) सरकार और आरआईएनएल द्वारा इसके उत्पादन को पूर्ण क्षमता तक बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(घ) क्या यह भी सच है कि आरआईएनएल को अपनी पूर्ण उत्पादन क्षमता प्राप्त करने के लिए नौ रेक कोयले की आवश्यकता है, लेकिन उसे केवल छह रेक ही मिल रहे हैं; और

(ङ) यदि हाँ, तो आरआईएनएल को उसकी पूर्ण क्षमता प्राप्त करने के लिए नौ रेक कोयले की आपूर्ति करने हेतु क्या कार्रवाई की जा रही है?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री (श्री भूपतिराजु श्रीनिवास वर्मा)

(क) और (ख): जी, नहीं।

(ग) भारत सरकार तथा राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) द्वारा महत्वपूर्ण प्रयास किए गए हैं ताकि बारीकी से प्रगति की निगरानी और यह सुनिश्चित किया जा सके कि आरआईएनएल का उत्पादन अपनी पूर्ण क्षमता तक बढ़े, जिसमें पूंजी निवेश, नियमित मूल्यांकन और प्रचालन अवरोधों का समाधान, गहन हितधारक समन्वय, नियमित समीक्षा बैठकें और ऑन-साइट आकलन शामिल हैं।

(घ) जी, नहीं। बॉयलर कोल (स्वदेशी) की आवश्यकता एक रेक प्रतिदिन है और मीडियम कोकिंग कोल (एमसीसी) की आवश्यकता एक रेक प्रति चार दिन है।

(ङ) प्रश्न ही नहीं उठता है।

******